एक नजर में

मेघनगर में धूमधाम से मनी कृष्ण जन्माष्टमी

मेघनगर .प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव घुम धाम से मनाई गई नगर के आजाद चोक बस स्टैण्ड साईं चोराहा गणेश मंदिर शंकर मंदिर पर मटकी फोड़ का आयोजन किया प्रजापति समाज द्वारा भगवान श्री कृष्ण की सुन्दर झांकी बनाकर शोभायात्रा निकाली जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुन: साईं चोराहा पर पहुंची जहां पर भगवान की पुजा अर्चना कर मटकी फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया मटकी फोड़ समिति के सदस्यों द्वारा सफल आयोजन पर नगर के समस्त धर्म प्रेमी बन्धुओं का आभार व्यक्त किया.

अटल की जयंती पर कार्यकर्ता ने किया याद

मेघनगर .भाजपा के संस्थापक सदस्य पूर्व प्रधानमंत्री अटल को भाजपा कार्यकर्ताओं ने याद किया अटल की पुण्यतिथि पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेघनगर में जाकर उनके कुशल क्षेम पूछा और फल वितरित किए हैं ।इस अवसर पर मेघनगर मंडल अध्यक्ष रूप सिंह भूरिया पूर्व मंडल अध्यक्ष सचिन जी प्रजापत भाजपा के नेता मुकेश मेहता भाविक बारोट शंकर मेडा कमयु मनिहार ,कोशल सोनी प्रदिप वसुनिया , बाबू मचार , मोहन प्रजापत फारूख शेरानी, बहादुर डामोर, शंकर मेड़ा, रोहित देवाणा ,दिनेश देवाना ,प्रेम सोलंकी सहित सेकड़ो भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे ओर अटलजी को श्रद्धासुमन अर्पित कर अटल जी जयंती मनाई ।

कथा का लाभ बोराना परिवार पेटलावद ने लेते हुए महाआरती और महाप्रसादी का वितरण करवाया।

तेजाजी महाराज के अखंड पराक्रम को दर्शाती हुई भगवान तेजाजी की गायन कथा को न्यास मंडल थांदला द्वारा पेटलावद के बोराना परिवार के यहां किया गया। इस कथा के माध्यम से तेजाजी महाराज के जीवन वृतांत की प्रस्तुती दी गई। बोराना परिवार के द्वारा गायन कथा करने वाले कलाकारों का सम्मान किया गया। वहीं भारतीय पत्रकार संघ और राठौड समाज पेटलावद द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं नप उपाध्यक्ष और वार्ड पार्षद किरण संजय कहार ने मोमेंटो भेंट कर और हिंदू जागरण मंच ने साल श्री फल भेंट कर कथा मंडली का स्वागत किया ।सभी अतिथियों को सम्मानित कर तेजाजी के दुपट्टे भेंट किये गये।

उल्लेखनीय है कि न्यास मंडल थांदला के द्वारा लगभग 54 वर्षो से तेजाजी महाराज की कथा का गायन रूप में प्रस्तुतिकरण किया जा रहा है। जिससे क्षेत्र में भगवान तेजाजी के प्रति आस्था और श्रद्वा बढी है। न्यास मंडल के संस्थापक अध्यक्ष स्व.रामचंद्र राठौड और स्व. फकीरचंद्र राठौड ने थांदला में इस मंडल की शुरूआत 54 वर्ष पूर्व की थी। और इन 54 वर्षो में थांदला, पेटलावद, कुशलगढ, खवासा, कल्याणपुरा, सारंगी, काकनवानी,भामल सहित सैकडों स्थानों पर लगभग 2000 से अधिक कथाएं की जा चुकी है। जिससे क्षेत्र में अनेक मंदिरों का निर्माण भी हुआ है। पेटलावद की कथा में सुनिल राठौड, लक्ष्मण राठौड, पंकज राठौड, उमेश राठौड, शिवम राठौड,नितेश राठौड, तेजमल राठौड, कन्हैयालाल राठौड, आनंद राठौड, अमन राठौड आदि ने कथा का गायन रूप में प्रस्तुति दी। दीपक राठौड बोराना परिवार द्वारा कथा की पूर्णाहुति पर महाआरती कर

जन्माष्टमी पर अंचल दिखा कृष्णमयी, जन्मोत्सव पर सजे देवालय

नवभारत न्यूज

झाबुआ। शनिवार को श्री कृष्ण जन्मोत्सव की खुशियां शहर सहित समूचे अंचल में धूमधाम एवं हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। शहर व अंचल के सभी गोपाल मंदिरों में सुबह से लेकर रात तक विभिन्न धार्मिक आयोजन संपन्न होने के साथ दिनभर बाल गोपाल के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का आना-जाना भी लगा रहा। रात्रि में मंदिरों में भगवान का सुंदर एवं मनमोहक श्रृंगार किया गया। रात ठीक 12 बजे भगवान के जन्मोत्सव मनाते हुए श्री कृष्ण दरबारों में महाआरती की गई। बाद सभी को महाप्रसादी का भी वितरण हुआ। शहर के आजाद चौक के समीप श्री गौवर्धननाथ प्रभुजी की हवेली में श्री कृष्ण जन्मोत्सव की दिनभर खुशियां मनाई गई। विशेष कार्यक्रम में रात्रि में मंदिर को रोशनी से सजाने के साथ रात 12 बजे जैसे ही मुख्य पट खुलने पर सुंदर एवं मनमोहक रूप से श्रृंगारित गौवर्धननाथ प्रभुजी के दर्शन हुए, तो भक्तजनों ने भगवान के सामूहिक जयघोष लगाते हुए श्री गौवर्धननाथ प्रभुजी के दर्शन बाद महाआरती और महाप्रसादी में भी पूरे उत्साह और उल्लास के साथ भाग लिया। रविवार सुबह 10.30 बजे मंदिर के सेवक, मुखिया, भीतरीया एवं अन्य सेवकजन बाल गोपाल, नंद बाबा, यशोदा माता, गोपी, ग्वाले आदि की वेशभूषा धारण कर आए और उत्साह के साथ नंद उत्सव मनाया गया, जो दोपहर 12 बजे तक चला। इस दौरार ठाकुरजी के बाल लीलाओं की सुंदर झांकी भी सजी। वही समीप श्री चारभुजानाथ मंदिर में मंदिर के सेवक पं. विश्वनाथ शुक्ला द्वारा संध्याकाल श्री चारभुजानाथजी का लुभावना एवं मनमोहक श्रृंगार किया। रात 9 से 12 बजे तक मंदिर परिसर में दशा नीमा समाज की और से श्री कृष्ण भजन संध्या हुई। जिसमें बाहर से पधारे भजन गायकों ने भगवान श्री कृष्णजी के समधुर भजनों से समां बांधा। संगीतमय भजनों पर समाजजनों ने नृत्य भी किया। रात 12 बजे नीमा समाज सहित शहर से भी बड़ी संख्या में भक्तों ने महाआरती में भाग लेते हुए समधुर भजनों पर नृत्य किया तथा महाप्रसादी का भी बढ़-चढ़कर लाभ लिया। थांदला गेट के समिप महेश्वरी समाज के श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर में मंदिर के सेवक पं. भूपेंद्र आचार्य द्वारा भगवान का मनमोहन श्रंगार किया गया। यहां सुबह से ही भगवान के दर्शन के लिए श्रद्वालुओं का आना जाना लगा रहा। रात्री में 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाते हुए महाआरती कर भक्तों को पंजेरी, पंचामृत आदि का प्रसाद वितरीत किया गया। जन्मोत्सव में महेश्वरी समाज के अलावा अन्य श्रद्वालुजन भी बडी संख्या में उपस्थित थे।

प्रभु के दर्शन होते ही गूंजे जयकारे

शहर के राधाकृष्ण मार्ग स्थित राधा-कृष्ण सरकार मंदिर में सुबह से लेकर रात तक विभिन्न आयोजन चलते रहे। मंदिर के सेवक मनीष बैरागी ने बताया की शाम को राधा-कृष्ण सरकार का मनमोहक एवं सुंदर श्रृंगार बैरागी परिवारजनों द्वारा कर समीप ही बाल गोपाल का सुंदर झूला भी सजाया गया। मंदिर परिसर में श्री कृष्णजी की सुंदर चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। रात्रि में पूरे मंदिर को ब्लूनस-चमकीयों पन्नीयों के साथ विद्युत सज्जा से जगमग किया गया। प्रभु के दर्शन होते ही जयकारे गूंजे और ठीक 12 बजे महाआरती की गई। बाद मंदिर प्रांगण में स्टॉल लगाकर सभी को मक्खन, पंजेरी, फ्ल आदि का प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद प्राप्त करने के लिए भक्तों की लंबी कतार लगी। समीप ही श्री मेढ़ क्षत्रीय स्वर्णकार मंदिर में भगवान श्री सत्यनारायणजी की फूलों और हरे-भरे पत्तों से सुंदर झांकी मंदिर के सेवक पं. प्रदीप भट्ट ने तैयार की। रात्रि में सोनी समाज की और से आयोजित महाआरती एवं महाप्रसादी का सैकड़ों भक्तों ने लाभ लिया।

महिलाओं ने किए भजन-किर्तन

इसी प्रकार शहर के छोटे तालाब स्थित राधा-कृष्ण बिहारी मंदिर में राधा-कृष्ण बिहारी का विशेष श्रृंगार मंदिर के सेवक गोपाल बैरागी ने किया। रात्रि में मंदिर पर सुंदर विद्युत सज्जा भी की गई। यहां दिनभर श्री कृष्णजी के समधुर भजन एवं गीत गूंजायमान होते रहे। प्रात:काल मंदिर से जुड़ी मातृशक्तियों ने भजन-किर्तन भी किए। लक्ष्मीबाई मार्ग में प्राचीन श्री राम दरबार मंदिर के सेवक विशाल व्यास ने बताया कि श्री राम दरबार एवं समीप गोपाल प्रभुजी का सुंदर पालना सजाकर रात्रि 12 बजे महाआरती कर भक्तजनों को मिष्ठान, फ्ल और पंचामृत का प्रसाद बांटा गया।

इन मंदिरों में भी हुए आयोजन

श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर राजवाड़ा स्थित प्राचीन श्री सत्यनारायण मंदिर पर सुबह 7 बजे श्री सत्यनारायण भगवान एवं श्रीराम दरबार का गाय के दूध, दही, घी, शहद से अभिषेक कर भगवान का सुंदर श्रृंगार किया गया एवं उन्हें माखन-मिश्रा का भोग लगाया। मंदिर के सेवक पं. जर्नादन शुक्ला ने बताया की दोपहर 2 से शाम 4 बजे तक महिलाओं द्वारा भजन-किर्तन एवं साज-सज्जा के साथ रात्रि 12 बजे भगवान की जन्मोत्सव आरती हुई। पश्चात् पंजेरी एवं माखन-मिश्री का प्रसाद वितरित किया गया। कॉलेज मार्ग स्थित प्राचीन श्री जगदीश मंदिर पर शनिवार सुबह 7 बजे श्री जगन्नाथ प्रभु, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्राजी की प्रतिमा के सम्मुख लड्डू गोपाल का पालना सजाया गया। लड्डू गोपाल का अभिषेक कर आरती की गई। शाम को महिला मंडल द्वारा भजन-किर्तन एवं रात्रि में यहां बाल गोपालों के लिए मटकी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित हुई। मंदिर के सेवक जगदीश पंडा ने बताया कि मंदिर परिसर में भगवान श्री कृष्ण की सुंदर झांकी भी सजाई गई। रात 12 बजे महाआरती कर सभी को प्रसादी वितरण हुआ।

गोपाल मंदिर में चला दर्शन-पूजन का क्रम

शहर के गोपाल कॉलोनी स्थित गोपाल मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष में दिनभर विभिन्न आयोजन हुए। गोपाल प्रभुजी का विशेष श्रृंगार के साथ बाल गोपालजी का भी सुंदर पालना सजाकर भक्तों ने पालने में विराजित बाल गोपाल को झूला-झूलाकर आनंदित होकर नृत्य कियाा। यहां भी रात्रि में दर्शन-पूजन का क्रम चलने के साथ इस दिन श्रद्धालुओं ने अपने घरों पर भी लड्डू गोपालजी का झूला-पालना आदि सजाकर झूला झूलाकर भगवान के जन्मोत्सव की खुशियां मनाई। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर गोपाल भक्तों ने घरों पर भी भगवान का अभिषेक कर आकर्षक श्रंगार किया और मध्यरात्री में जन्मोत्सव आरती कर खुशियां मनाई। इस दिन भक्तों ने व्रत-उपवास रखकर फरियाली ग्रहण किया। दिनभर शहर सहित अंचल में उत्साह और उल्लास का वातावरण रहा।

बाजारों में सजी पोशाक की दुकाने

जन्माष्टमी पर्व को लेकर नगर सहित अंचल में लडडू गोपाल की आकर्षक प्रतिमाएं व पोशाकों की दुकाने सजी। नगर में लडडू गोपाल की छोटी, बडी आकर्षक प्रतिमाओं सहित पोशाके सहित अन्य श्रंगार सामग्री की दुकानों पर भीड दिखाई दी। भगवान श्रीकृष्ण के अनेक भक्तों ने घर पर ही भगवान का जन्मोत्सव मनाने हेतु साज सज्जा की और पूजा अर्चना करने के लिए लडडू गोपाल की आकर्षक प्रतिमाएं और पोषाकों की खरीददारी की।

स्वतंत्रता दिवस पर पावरलिफ्टर गुंडिया का हुआ सम्मान

झाबुआ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर खेल जगत के लिए गौरव का क्षण तब आया, जब एशिया ओपन पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन करने वाले गुलाबसिंह गुंडिया को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह ने उन्हें स्मृति चिन्ह और शॉल भेंटकर सम्मानित किया।

इस मौके पर एसडीओपी रूपरेखा यादव, एडिशनल एसपी, डीएसपी, थाना प्रभारी, जिला खेल अधिकारी, जय बजरंग व्यायाम शाला के सदस्य और जिलेभर से आए खिलाड़ियों ने गुलाबसिंह को बधाई दी। जय बजरंग व्यायाम शाला ने वर्षों से ग्रामीण अंचल से खिलाड़ियों को तैयार कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाई है।

इस संस्था की नींव स्व. सुशील वाजपेयी ने रखी थी, जिनका सपना था कि स्वस्थ युवा, शक्तिशाली भारत और नशा मुक्त, जागरूक युवा। उन्होंने युवाओं में जोश और अनुशासन भरने के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण की व्यवस्था की, जिसका परिणाम आज अंतरराष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियों में स्पष्ट रूप से दिख रहा है। गुलाबसिंह गुंडिया ने अपने इस सिल्वर मेडल को गुरु स्व. सुशील वाजपेयी को समर्पित करते हुए कहा कि उनकी शिक्षा, अनुशासन और प्रेरणा के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि गुरू का आशीर्वाद आज भी उनके और सभी खिलाड़ियों के साथ है और वे आगे भी देश-विदेश में भारत का नाम रोशन करने के लिए पूरी मेहनत करते रहेंगे।

उज्जवल भविष्य की कामना की

इस अवसर पर व्यायामशाला के वरिष्ठ खिलाड़ी उमेश मेड़ा, खिलाड़ी नानूड़ी चरेल, अवंतिका भूरिया, अर्चना तोमर, शिला, उन्नती, छाया, राकेश चौहान, चंदरसिंह चंदेल, राजेश बारिया, संजय भूरिया, जितेन्द्र, कोमल गरवाल, अजय गुंडिया, दिनेश सिंगाड़ सहित अन्य खिलाड़ियों और शहर के गणमान्यजनों में राजेंद्र यादव, यशवंत भंडारी, दिनेश सक्सेना, संजय काठी, प्रेमसिह उस्ताद, नीरज राठौर, प्रदीप रूनवाल, सुनीता सुशील वाजपेयी, भारती सोनी आदि ने गुलाबसिंह को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उज्जवल भविष्य के लिए कामना की है।

श्री राम मंदिर मे भक्ति संगीत के साथ मना कृष्ण जन्मोत्सव

पारा। जन्माष्टमी के पावन पर्व पर नगर के राम मंदिर हनुमान मंदिर में धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई गईं। वही नगर में जगह जगह पर दही हांडी सहित अन्य कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। शनिवार को नगर के धर्म प्रेमी लोगो द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। स्थानीय श्री राम मंदिर पर आकर्षक विधुत सज्जा के साथ फूलों से कान्हा का श्रंगार किया गया। रात्री में श्री रामायण मंडल पारा द्वारा संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें पं. संजय शर्मा एवं चेतन सिंह राजपूत ने अपनी सुमधुर आवाज लाखनसिंह राजपूत ने ढोलक बजा कर सभी को सम्मोहित कर दिया। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में एक से बढ़कर एक सुमधुर भजनो की प्रस्तुति सुनकर उपस्थित श्रोत झूम उठे। मध्य रात्रि में श्री राम मंदिर के पुजारी पं. बब्बू दासजी महाराज की उपस्थिती में श्री कृष्ण का जन्मोत्सव नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल के धार्मिक जयकारे के साथ मनाया गया। अंत मे भगवान की आरती और स्तुति का पाठ किया गया। वही बस स्टेंड स्थित हनुमान मंदिर पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर हांडी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्रीराम सेना द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छोटे बच्चे कृष्ण का रूप लेकर आये थे और उन्होंने हांडी फोड़ी। विजेता बच्चो को पुरस्कृत किया गया। अंत में पं. वसुदेव शर्मा की उपस्थिति में आरती की गई। नगर की स्कूलों मे भी राधा कृष्ण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जहां पर नन्हें मुन्ने बच्चे राधा कृष्ण स्वांग बना कर आये। आकर्षक राधा कृष्ण रूप को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी उपस्थित

श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर राजवाड़ा में झाबुआ युथ ने फोडी दही-हांड़ी

विजेता टीम को 25 हजार का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया

झाबुआ। श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर 16 अगस्त की शाम 7.30 बजे से शहर के हृदय स्थल राजवाड़ा पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति ने 22वां दही-हांडी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें हजारों की संख्या में शहर सहित आसपास के अंचलों से श्री कृष्ण भक्तों की भीड़ रहीं। पूरा राजवाड़ा चौक दर्शकों की भीड़ से खचाखच रहा। दही-हांडी फोड़ने का खिताब तीसरे चरण में झाबुआ युथ (भगवा चौक) की टीम ने हासिल किया। टीम को 25 हजार का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।

कान्हा बने सूरज ताहेड़ को गोद में उठाकर झाबुआ युथ की टीम ने जमकर नृत्य किया और खुशियां मनाई। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण सतोगिया समाज का गरबा रास और जिले की आदिवासी संस्कृति एवं परंपरा के अनुरूप भगोरिया नृत्य की प्रस्तुति ने समां बांधा, तो दूसरी और राजवाड़ा पर अलग-अलग स्थानों पर देश के महापुरूषों, क्रांतिकारियों की तस्वीरे लगाई गई। सभी को अपने मोबाईल की फ्लश लाईट चालू करवाकर आत्मनिर्भर भारत के तहत स्वदेशी वस्तुओं और सामग्रीयों का उपयोग करने का सामूहिक संकल्प दिलवाया गया।

प्रतियोगिता के अंत में विजेता टीम झाबुआ युथ को 25 हजार रू. का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति संयोजक नीरज राठौर एवं अध्यक्ष यशवंत भंडारी ने बताया की दही-हांडी फोड़ प्रतियोगिता की शुरूआत शाम 7.30 बजे से हुई। सर्वप्रथम सतोगिया समाज द्वारा करीब एक घंटे तक आयोजन स्थल डांडिया रास की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद जिले के प्रसिद्ध भगोरिया नृत्य ने समां बांध दिया एवं उपस्थितजनों को नांचने को मजबूर किया। इस बीच करीब 15 मिनिट कलाकार रमेशचंद्र पंवार ने सुंदर वायलीन बजाकर भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। रात 9 बजे गौ-सेना (झाबुआ युथ) की और से गौ-माता की आरती कर भगवान श्रीराम एवं गौ-माता के सामूहिक जयघोष लगाए गए।

समिति संयोजक नीरज राठौर ने आत्मनिर्भर भारत के तहत उपस्थित हजारों की संख्या में लोगों से मोबाईल की फ्लश लाईट चालू करवाकर स्वदेशी सामग्रीयों को अपनाकर देश को मजबूत बनाने का सामूहिक संकल्प दिलवाया। बाद सभी ने भारत माता और भगवान श्रीकृष्ण जयकारे लगाए।

अतिथि के रूप में समिति अध्यक्षयशवंत भंडारी के साथ वरिष्ठ सदस्यों में पूर्व विधायक जेवियर मेड़ा, समाजसेवी अजय रामावत, बलवीरसिंह सोहेल, अशोक शर्मा, लालसिंह चौहान, रमेश शर्मा, बिट्टू सिंगार आदि मंचासीन थे।

कुल 6 टीमों ने लिया भाग

प्रतियोगिता आरंभ करने से पूर्व सभी टीमों एवं दर्शकों को नियम एवं शर्तों की जानकारी देते हुए कप्तानों से फार्म भरवाएं गए। प्रतियोगिता में कुल 6 टीमों में झाबुआ युथ (भगवा चौक), उदयपुरिया मेघनगर नाका, पॉलिटेक्निक कॉलेज, ग्राम गोलाछोटी, ग्राम करड़ावद बड़ी एवं ग्राम हड़मतिया की टीम ने रात 9.15 बजे से दही-हांडी फोड़ने के प्रयास शुरू किए।

टीमों के क्रम का चयन चिट्ठी सिस्टम से बाल गोपाल बने नन्हें बालक ग्रंथ शुक्ला एवं बालिका हीरांशी पानेरी ने चिट्ठी निकालकर बाद क्रम का निर्धारण कर टीमों के युवा गोपालों ने बारी-बारी से दही-हांडी फोडने के पूरजोर प्रयास किए।

महापुरूषों की तस्वीरों से सजा राजवाड़ा

समिति द्वारा दही-हांडी की ऊंचाई 31 फिट रखी गई। दहीं-हांडी के दोनो और रस्सी पर देशभक्ति के प्रतीक तिरंगा आकृति के ब्लूनस लगे होने के साथ आत्मनिर्भर भारत के फ्लेक्स भी लगे हुए रहे।

जगह-जगह देश के महापुरूषों में शहीद चन्द्रशेखर आजाद, स्वामी विवेकानंद, वीर दुर्गादासजी, ज्योतिबा फूले, महाराणा प्रताप, डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं जिले के संत स्व. खुमसिंह महाराज की तस्वीरे लगी दिखाई दी। युवाओं द्वारा अपने-अपने मोबाईल से दही-हांडी फोड़ने का प्रयास करने वाले युवा गोपालों के फोटो, वीडियों रेकार्डिंग आदि भी किए। जिन्हें सोशल मीडिया पर वायरल भी किया गया।

दहीं हांडी 4 फिट नीचे करने के बाद फूटी

कुल 6 टीमों द्वारा दो राउंड में पिरामिड बनाकर दही-हांडी को फोड़ने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

इसके बाद रात करीब 10.45 बजे तीसरे चरण शुरू करने से पूर्व दही-हांडी को 4 फिट नीचे किया गया और फिर से ड्रा सिस्टम के माध्यम से टीमों को मटकी फोड़ने का अवसर समिति एवं मंचासीन अतिथियों की और से प्रदान किया।

तीसरे चरण में दूसरी टीम के रूप में झाबुआ युथ (भगवा चौक) ने पूरी रणनीति और सूझबूझ के साथ 4 पिरामिड के बाद 5वीं पिरामिड में रस्सी पर युवा गोपाल सूरज ताहेड़ ने लटककर दही-हांडी फोड़कर माखन-मिश्री नीचे बरसाया। इसके बाद नीचे कूदकर झाबुआ युथ के गोपालों ने कान्हा बने सूरज ताहेड़ को गोद में उठाकर जमकर नृत्य किया। समिति की और से सभी से आलकी की पालकी, जय कन्हैयालाल की... नंद घर आनंद भयो जय कन्हैयालाल की के सामूहिक जयघोष लगवाए।

25 हजार का नगद पुरस्कार किया प्रदान

श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति की और से अतिथियों के माध्यम से विजेता टीम को 25 हजार रू. का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।

जिसमें 21 हजार रू. का पुरस्कार समिति की और से, 1 हजार रू. अशोक शर्मा, 1 हजार अजय रामावत, 1 हजार जेवियर मेड़ा एवं 1 हजार लवेश सोनी की और से घोषणा की गई।

दही-हांडी रात ठीक 11.10 बजे फूटी। जिसके बाद विजेता टीम ने जमकर खुशियां मनाई और भगवान श्रीराम एवं श्रीकृष्ण के साथ भारत माता के जयघोष लगाए। झाबुआ युथ के नेतृत्वकर्ता विनय वर्मा एवं कप्तान तुषार गुंडिया रहे।